राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू
Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 13 संख्याः 320 प्रभात चूरू, सोमवार 21 मार्च, 2022 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

हिज़ाब पर फैसला देने वाले जजों को ''वाई'' कैटेगिरी की सुरक्षा

सोशल मीडिया के मार्फत कर्नाटक हाई कोर्ट के तीनों न्यायाधीशों को जान से मारने की धमकियां मिलीं

■ कर्नाटक के मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई ने कहा कि, सरकार जजों को हर मुमकिन सुरक्षा मुहैया करायेगी।

■ उल्लेखनीय है कि, तमिलनाडु तौहीद जमात के नेता कोवई रहमतुल्लाह ने गत गुरुवार को मदुरई में एक सभा को संबोधित करते हुए न्यायाधीशों को जान से मारने की धमकी दी थी।

बेंगलुरु, 20 मार्च (वार्ता)। कर्नाटक में हिज़ाब मामले में फैसला देने वाले कर्नाटक हाई कोर्ट के जजों को जान से मारने की धमकियां मिलने लगी हैं। जजों की सुरक्षा के मामले में तत्काल एक्शन लेते हुये कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने रविवार को कहा कि, राज्य सरकार हिज़ाब मामले में याचिकाएं खारिज करने वाले मुख्य न्यायाधीश रितु राज अवस्थी सहित तीन न्यायाधीशों को वाई. श्रेणी की सुरक्षा प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री बोम्मई ने बैंगलुरु में संवाददाताओं से कहा, ''सरकार ने हिज़ाब पर फैसला सुनाने वाले कर्नाटक उच्च न्यायालय के तीनों न्यायाधीशों को वाई. श्रेणी सुरक्षा देने का फैसला किया है।''

रहमतुल्लाह का एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें तौहीद जमात के नेता को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि जैसे झारखंड के एक न्यायाधीश की हत्या हुई थी, वैसे ही कर्नाटक के न्यायाधीशों को हिज़ाब के फैसले पर गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराई गई है और पुलिस महानिदेशक को फौरन मामले की जांच कर आरोपी को हिरासत में लेने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा, ''हम राष्ट्र-विरोधी लोगों के ऐसे राष्ट्र-विरोधी कामों को सहन नहीं कर सकते। हमें इस कृत्य को रोकना होगा।''

बोम्मई ने कहा कि एक विशेष समुदाय की आक्रामकता का समर्थन करना धर्म-निरपेक्षता नहीं बल्कि साम्प्रदायिकता है। उन्होंने कहा, ''कृपया चुप्पी तोड़ें और इस कृत्य की निंदा करें। हमें एक साथ खड़े होकर इसका विरोध करना है। न्यायपालिका की बदौलत ही कानून व्यवस्था काम कर रही है। अगर हम इसकी निंदा नहीं करते तो इससे देश के लोकतांत्रिक ढांचे पर गंभीर प्रभाव पड़ेंगे।''

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कक्षा में हिज़ाब प्रतिबंध के विरोध में दायर की गई कई याचिकाओं को खारिज करते हुए यह फैसला सुनाया था कि हिज़ाब अनिवार्य धार्मिक परंपरा नहीं है।तमिलनाडु पुलिस ने शनिवार को रहमतुल्लाह को तिरुनेलवेली और जमाल मोहम्मद उस्मानी को थंजावुर से गिरफ्तार किया था। पुलिस ने टी.एन.टी.जे. के मदुरई जिलाध्यक्ष हबीबुल्लाह और उपाध्यक्ष असन बतशाह के खिलाफ सभा आयोजित करने के लिए मामला दर्ज किया है।

इसी बीच, बेंगलुरु पुलिस ने कल रहमतुल्लाह के खिलाफ एक और प्राथमिकी दर्ज की। सुधा कटवा नामक एक वकील ने पुलिस को दी गई शिकायत में कहा कि उनके सहकर्मी एस ऊमापति ने उन्हें व्हाट्सऐप पर तमिल भाषा में एक वीडियो भेजा जिसमें हिज़ाब मामले में फैसले को लेकर कर्नाटक के मुख्य न्यायाधीश और दो अन्य न्यायाधीशों को मौत की धमकी दी जा रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि यह वीडियो तमिलनाडु की एक जनसभा का है जहां रहमतुल्लाह झारखंड में एक न्यायाधीश की हत्या का हवाला दे रहा है। वह कर्नाटक के मुख्य न्यायाधीश को धमकी देते हुए कह रहा है कि लोगों को पता है कि वह सुबह सैर करने कहां जाते हैं। दरअसल, कर्नाटक हाईकोर्ट के वकील उमापति को सोशल मीडिया पर एक वीडिया मिला है। जिसमें एक व्यक्ति कहता सुनाई दे रहा है कि हम जानते हैं कि चीफ जस्टिस मॉर्निंग वॉक के लिए कहां जाते हैं। इसके तुरंत बाद ही वकील ने रजिस्ट्रार को चिट्ठी लिखकर इसकी जानकारी दी। जिसके बाद पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। वकील उमापति ने रजिस्ट्रार को लिखी चिट्ठी में बताया कि, उन्हें सुबह करीब पौने दस बजे ''वॉट्सऐप'' पर एक वीडियो मिला।

यह वीडियो तमिल भाषा में है। वीडियो में हिज़ाब विवाद पर फैसला सुनाने वाले जजों और कर्नाटक हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की हत्या करने की बात कही गई है। वीडियो में आरोपी ये कहकर धमकी दे रहा है कि लोगों को पता है कि चीफ जस्टिस मॉर्निंग वॉक के लिए किस समय और कहां जाते हैं। इसके अलावा हिज़ाब विवाद पर फैसला सुनाने वाले बाकी दो जजों को भी लगातार धमकियां मिल रही हैं।

जजों को धमकी देने वाले दो गिरफ्तार

चेन्नई, 20 मार्च (वार्ता)। तमिलनाडु पुलिस ने हिज़ाब पर फैसला सुनाने वाले कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को जान से मारने की धमकी देने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कहा कि कोवई रहमतुल्लाह

■ कर्नाटक पुलिस ने तमिलनाडु तौहीद जमात के नेता कोवई रहमतुल्लाह को गिरफ्तार किया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एन. बीरेन दोबारा मणिपुर के मु.मंत्री होंगे

इम्फाल, 20 मार्च (वार्ता)। नोंगथोम्बम बीरेन सिंह को रविवार को सर्वसम्मति से मणिपुर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक दल का नेता चुना गया। इसके बाद इस पूर्वोत्तर राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में उनके लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री बनने का मार्ग प्रशस्त हुआ।

■ केन्द्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण की मौजूदगी में मणिपुर के भाजपा नेताओं ने एन. बीरेन को विधायक दल का नेता चुना।

श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भण्डार पूरी तरह से खाली हुआ

आर्थिक तंगी के कारण पेपर आयात नहीं कर पाने की स्थिति में पहुँचा श्रीलंका, सभी कक्षाओं की परीक्षाएं रद्द हुईं

■ बैंकॉक पोस्ट की रिपोर्ट में बताया गया है कि, देश में जरूरी वस्तुओं को खरीदने के लिए धन की भारी कमी है। इसके कारण देश में भोजन, तेल और दवाओं की काफी कमी हो गयी है।

■ श्रीलंका में पैट्रोल-डीजल की भी भारी किल्लत शुरु हो चुकी है। रविवार को श्रीलंका में पैट्रोल पंपों के बाहर लंबी कतारों में अपनी बारी की बाट जोहते हुए 70 साल के दो बुजुर्गों की मौत हो गयी।

कोलंबो, 20 मार्च (वार्ता)। श्रीलंका में विदेशी मुद्रा भंडार की कमी के कारण पेपर का आयात बाधित होने से स्कूलों की परीक्षाएं रद्द कर दी गयी हैं। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी है। श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार पूरी तरह से खाली हो चुका है, इस कारण श्रीलंका जरूरी वस्तुओं की भारी किल्लत का सामना कर रहा है।

बैंकॉक पोस्ट ने शिक्षा अधिकारियों के हवाले से शनिवार को दी गयी रिपोर्ट में बताया गया कि श्रीलंका में आजादी के बाद से लेकर अब तक का देश में पैदा हुआ यह सबसे बड़ा वित्तीय संकट है जिसके कारण पेपर की जबरदस्त किल्लत हो गयी है और इसी कारण से 28 मार्च से शुरू होने वाली परीक्षाएं अनिश्चितकाल के लिए टाल दी गयीं हैं।

देश के पश्चिमी हिस्से के शिक्षा विभाग ने जारी बयान में कहा परीक्षाओं के लिए जरूरी कागज और इंक के आयात लायक सुरक्षित विदेशी मुद्रा भुंडार भी नहीं होने के कारण स्कूलों के प्रधानाचार्य परीक्षाएं आयोजित नहीं कर सकते हैं।

बैंकॉक पोस्ट की रिपोर्ट में बताया गया कि, देश में यह आर्थिक संकट जरूरी आयात लायक आवश्यक विदेशी मुद्रा भंडार की कमी होने से पैदा हुआ है और इसके कारण देश में भोजन, तेल और दवाओं की काफी कमी हो गयी है।

श्रीलंका में पैट्रोल-डीजल की भी भारी किल्लत शुरु हो चुकी है। रविवार को श्रीलंका में पेट्रोल पंपों के बाहर लंबी कतारों में अपनी बारी की बाट जोहते हुए 70 साल के दो बुजुर्गों की मौत हो गयी। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

श्रीलंका इन दिनों ईंधन की भारी किल्लत से जूझ रहा है और उसके सामने विदेशी मुद्रा भंडार का ऐतिहासिक संकट खड़ा हो गया है। कोलंबो पुलिस ने कहा कि मध्य कांडी जिले एवं कोलंबो के उपनगरीय क्षेत्र में शनिवार को करीब 70 साल उम्र के दो वृद्धों की मौत हो गयी। पुलिस के अनुसार दोनों करीब छह घंटों से अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे।

माना जाता है कि भयंकर गर्मी उनकी मौत की प्राथमिक वजह है। अधिकारियों ने कहा कि सरकार राहत के लिए भारतीय ईंधन पर भरोसा कर रही है। सरकारी सीलोन पेट्रोलियम कोरपोरेशन के अध्यक्ष सुमित विजेसिंघे ने कहा, ''भारतीय क्रेडिट लाइन से हमें पेट्रोल, डीजल एवं जेट ईंधन जैसे उत्पाद मिलते हैं।''

उन्होंने कहा, ''हमें (इस महीने की) 13वीं एवं 14वीं तारीख को जेट ईंधन मिला है। हमारे पास एक अन्य डीजल जहाज आया है जिससे कल माल उतारा जाएगा।''

उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि, लोग ईंधन की कमी के चलते उसे जमा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संकट से पहले डीजल की दैनिक मांग 5500 मीट्रिक टन और पेट्रोल की मांग 3300 मीट्रिक टन थी लेकिन अत्यधिक खरीद की वजह से यह क्रमशः 7000-8000 मीट्रिक टन एवं 4200 मीट्रिक टन तक पहुंच गयी है।